FOOD SAFETY AND STANDARDS AUTHORITY OF INDIA
Inspiring Trust, Assuring Safe & Nutritious Food

For immediate release

प्रेस विज्ञप्ति

"विश्व दुग्ध दिवस": एफएफआरसी की ओर से फोर्टिफाइड दुग्ध का तोहफा

खाद्य फोर्टिफिकेशन संसाधन केन्द्र ने 1 जून 2018 को विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर विटामिन डी और ए से भरपूर फोर्टिफाइड दुग्ध को आमजन में लोकप्रिय बनाने के लिये दिन भर लोगों के बीच और सोशल मीडिया के माध्यम से गतिविधियों का आयोजन किया गया।

नई दिल्ली, जून 1,2018 : संयुक्त राष्ट्र की खाद्य एवं कृषि संगठन के द्वारा स्थापित विश्व दुग्ध दिवस को पूरे विश्व में 1 जून को डेयरी उद्योग के स्थिर, आर्थिक विकास, आजीविका एवं पोषण के क्षेत्र में योगदान के लिये मनाया जाता है। विश्व दुग्ध दिवस दुग्ध को अपने रोजाना के भोजन में शामिल कर अपने आहार को संतुलित करने के लिये आमजन को जागरुक करने का सबसे अच्छा अवसर है।

एफएसएसएआई स्थित खाद्य फोर्टिफिकेशन संसाधन केन्द्र (एफएफआरसी) ने "विश्व दुग्ध दिवस" को एक विशेष विषय 'फोर्टिफाइड दुग्ध का गिलास उठाओ और कहो चीयर्स' के साथ मनाया। इस आयोजन का उद्देश्य खाद्य फोर्टिफिकेशन और बिना खाद्य आदतों को बदले कम लागत में इस के फायदों के बारे में जागरुकता फैलाना था।

भारतीय उपमहादृिप की 70 से 100% आम जनता में विटामिन ए की कमी और विटामिन डी की बढती हुई कमी सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में बडी चिंता का कारण है (स्त्रोत: अमेरिकी राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान के राष्ट्रीय मेडीसिन पुस्तकालय)। विटामिन डी के स्त्रोत सुबह 11 बजे से 1 बजे तक की सूर्य की धूप, मशरुम, वसायुक्त मक्षली इत्यादि हैं। वर्तमान परिस्थितियों को बदलने के लिये एफएफआरसी टाटा ट्रस्ट, विश्व बैंक, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड, और गेन के साथ मिलकर दुग्ध में विटामिन डी और ए को मिलाकर इसे अधिक पोष्टिक बनाने की योजना पर काम कर रहा है।

दुग्ध में विटामिन ए एवं डी को मिलाकर कम लागत में एवं स्थाई रुप से भारतीयों में हड्डीयों से संबंधित रोगों को बढने से रोका जा सकता है। इस से न केवल खाद्य में सूक्ष्मपोषक तत्वों की कमी पूरी होती है बल्कि उपभोक्ता को इसके विभिन्न अन्य फायदे भी होते हैं। प्रमुख खाद्यों के फोर्टिफिकेशन से लोगों को अपनी खाद्य आदतों को बदलने की आवश्यकता नहीं होती है; इस से फोर्टिफाइड खाद्य के स्वाद, सुगंध, या रंग पर भी कोई प्रभाव नहीं पडता है और यह आसानी से समाज के वंचित तबके

तक सुलभ हो जाता है। फोर्टिफाइड खाद्य को आसानी से पहचानने के लिये फोर्टिफाइड खाद्यों के लिये एफएसएसएआई ने एक लोगो "+F" को जारी किया है।

एफएफआरसी भारत में दुग्ध के फोर्टिफिकेशन को वृहद स्तर पर करने के लिये खाद्य व्यापारकर्ताओं, राज्य सरकारों के साथ मिलकर विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों जैसे आईसीडीएस, स्कूलों में मध्यान्ह भोजन, सार्वजनिक वितरण प्रणाली इत्यादि में फोर्ट्रिफाईड दुग्ध उपलब्ध सुनिश्चित करवाने के लिये प्रयासरत है।

पवन अग्रवाल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एफएसएसएआई, ने कहा कि 'दुग्ध् हमारे रोजाना के भोजन का एक अभिन्न अंग है और विश्व दुग्ध दिवस फोर्टिफाइड दुग्ध के उपयोग से होने वाले फायदों के बारे में आमजन को जागरुक करने का सबसे अच्छा अवसर है। विटामिन ए एवं डी से भरपूर दुग्ध को अपनाने से स्वास्थ्यप्रद खाने की आदत विकसित होती है और वर्तमान में वयस्कों के साथ बच्चों में भी समानरुप से पाई जाने वाली हड्डी संबंधी बीमारियों को रोकने में महत्वपूर्ण सफलता भी मिलती है। उन्होने जोर देते हुए कहा कि फोर्टिफाइड खाद्यों को जिन पर +F का लोगो होता है को अपनाने से आसानी से भोजन में सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी की समस्या को आहार आदत में परिवर्तन किये बिना हल किया जा सकता है'। विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर उन्होंने कहा कि फोर्टिफाइड खाद्य बाजार अब आसानी से उपलब्ध है तथा "इटिंग राईट; ईटिंग फोर्टिफाइड" का नारा भी बुलन्द किया।

इस समारोह में आमजन की मजबूत सहभागिता और रुचि सुनिश्चित करने के लिये कई गतिविधियों का आयोजन किया गया। दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के तीन महत्वपूर्ण मॉलों सलेक्ट सिटी वॉक, साकेत, जीआईपी, नोएडा और एम्बिऐन्स, गुरुग्राम में एफएसएसएआई के शुभंकर मास्टर सेहत और मिस सेहत के द्वारा लोगों को फोर्टिफाईड दुग्ध के महत्व के बारे में बताया गया, बच्चों को ध्यान में रखकर विभिन्न गतिविधियों जैसे चेहरे पर चित्रकारी, टेटू बनाना, बडों के लिये प्रश्नोत्तरी इत्यादि का आयोजन किया गया। हमें रोजना दुग्ध क्यों पीना चाहिए विषय पर आयोजित गतिविधि सबसे महत्वपूर्ण और प्रशंसनीय रही। फोर्टिफाईड दुग्ध से होने वाले फायदों के बारे में आमजन को जागरुक करने के लिये मदर डेयरी और दिल्ली दुग्ध् योजना की दुकानों के बाहर सूचनाप्रद बोर्डों का प्रदर्शन किया गया।

एफएफआरसी लोगों में जागरुकता फैलाने के लिये सोशल मीडिया का भी सहारा ले रहा है ताकि लोगों को फोर्टीफाइड दुग्ध खरीदने एवं पीने के लिये प्रोत्साहित किया जा सके। इस समारोह को लोगों ने आशा से अधिक विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर अपना समर्थन एवं सहयोग दिया। इस आयोजन के बारे में अपने अनुभवों के बारे में बताते हुए अधिकतर माता-पिताओं ने कहा कि इस आयोजन से उन्हें अपने

बच्चों और घर के अन्य सदस्यों को केवल फोर्टिफाईड दुग्ध देने से होने वाले फायदों के बारे में जानकारी मिली।

नागरिकों और सहभागियों से मिले आशातीत सहयोग को देखेते हुए एफएफआरसी यह मानता है कि इस आयोजन से फोर्टिफाईड दुग्ध को लोगों के दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने में महत्वपूर्ण सफलता मिलेगी।

मीडिया पूछताक्ष के लिये सम्पर्क करें:

रुचिका शर्मा
भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण
ईमेल: sharmaruchika.21@gmail.com